हिंदुस्तान कानपुर 19/02/2022

किसानों को दी डेयरी फार्मिंग की जानकारी

कानपुर।सीएसए के कृषि विज्ञान केंद्र थरियांव में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद अटारी की ओर से डेयरी फार्मिंग एवं पशुधन प्रबंधन विषय पर तीन दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। प्रसार निदेशक डॉ. एके सिंह कहा कि डेयरी फार्मिंग व्यवसाय को शुरू करें। डेयरी फार्मिंग के बारे में जानकारी दी।





डेयरी फार्मिंग व्यवसाय शुरू करने की दी जानकारी

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, थरियांव में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद अटारी , कानपुर के द्वारा वित्त पोषित क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत डेयरी फार्मिंग एवं पशुधन प्रबंधन विषय पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन गुरुवार को हुआ। जिसमे समन्वयक प्रसार निदेशालय के सीएसएयू डॉ.ए.के.सिंह और संपत्ति एवं प्रशासनिक अधिकारी मानवेंद्र सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर डॉ.ए.के.सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण में बताई गई बातों को ध्यान में रखते हुए डेयरी फार्मिंग व्यवसाय को शुरू करें। मुख्य अतिथि मानवेंद्र सिंह ने कहा



कि प्रशिक्षण बाद अपने फार्म पर कुशल रूप से डेयरी फार्मिंग के साथ पशुधन उत्पाद का जैविक कृषि के लिए उपयोग करें। कार्यक्रम में कृषकों के लिए तैयार किए गए साहित्य डेयरी फार्मिंग पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में सफल डेयरी फार्मिंग,

नाडेप एवं वर्मी कंपोस्ट, घास एवं चारा में कीटनाशक के प्रयोग से होने वाली समस्याओं, स्वच्छ दुग्ध उत्पादन जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई।कार्यक्रम के समापन में मुख्य अतिथि एवं समन्वयक प्रसार के द्वारा सभी प्रतिभागियों को डेयरी फार्मिंग की पुस्तिका एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में विशेष रुप से केंद्र के घनश्याम एवं शैलेंद्र बाजपेई सहित कई किसान मौजूद रहे।

...

डेयरी फार्मिंग एवं पशुधन प्रबंधन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, थरियांव में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद अटारी , कानपुर के द्वारा वित्त पोषित क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत डेयरी फार्मिंग एवं पशुधन प्रबंधन विषय पर तीन दिवसीय कार्यक्रम 15 से 17 फरवरी 2022 आज संपन्न हुआ । समापन सत्र में , समन्वयक प्रसार निदेशालय चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर डॉक्टर ए के सिंह एवं श्री मानवेंद्र सिंह संपत्ति एवं प्रशासनिक अधिकारी दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया । अपने उद्बोधन में अध्यक्ष कृषि विज्ञान केंद्र डॉक्टर ए के सिंह ने , प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए आग्रह किया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण में बताई गई बातों को ध्यान में रखते हुए डेयरी फार्मिंग व्यवसाय को शुरू करें एवं स्थानीय पशु को कृत्रिम गर्भाधान के द्वारा साहिवाल एवं गिर नस्ल की बछिया प्राप्त करें। जिससे क्रमोन्नति के साथ-साथ पशुपालकों की आय ही बढ़ेगी। मुख्य अतिथि श्री मानवेंद्र सिंह जी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए अनुरोध किया कि प्रशिक्षण उपरांत अपने फार्म पर कुशल रूप से डेयरी फार्मिंग के साथ पशुधन उत्पाद का जैविक कृषि के लिए उपयोग करें। कार्यक्रम में कृषकों के लिए तैयार किए गए साहित्य डेयरी फार्मिंग पुस्तिका का विमोचन भी अतिथियों के द्वारा किया गया ।कार्यक्रम संयोजक डॉक्टर देवेंद्र स्वरूप ने तीन दिवसीय प्रशिक्षण में सफल डेहरी फार्मिंग के विभिन्न आयाम पोषण , प्रजनन प्रबंधन , स्वास्थ्य सुरक्षा , तथा प्रबंधन पर एवं वर्ष भर हरा चारा उत्पादन हेतु तैयार मॉडल का विस्तृत चर्चा किया । डॉक्टर नौशाद आलम ने कम गोबर से अधिक खाद बनाने के लिए नाडेप एवं वर्मी कंपोस्ट तथा उपयोग उसकी उपयोगिता के बारे में चर्चा की।डाँ साधना वैश्य ने दूध के पोषक तत्व एवं मूल संवर्धन पर विस्तृत रूप से बताया, डॉक्टर जगदीश किशोर वैज्ञानिक ने घास एवं चारा में कीटनाशक के प्रयोग से होने वाली समस्याओं एवं उससे बचाव के तरीके बताएं।डॉ जीतेंद्र सिंह ने अधिक उत्पादन के लिए जनपद में उगाए जाने वाले प्रमुख चारा फसलों पर चर्चा किया एवं क्षेत्र में नेपियर के बढ़ते हुए मांग तथा प्रसार पर बल दिया। डॉ अलका कटियार ने स्वच्छ दुग्ध उत्पादन तथा दूध से बनने वाले विभिन्न खाद्य पदार्थ के बारे में विस्तृत रूप से बताया। कार्यक्रम में विशेष रूप से आमंत्रित जनपद की प्रगतिशील एवं सम्मानित महिला पशुपालक श्रीमती प्रतिभा देवी ने पशुपालकों के पशुपालकों को अपने

कोर्रा सादात ने भी सफल पशुपालक के रूप में अपने अनुभव साझा किया तथा पशुओं के प्राथमिक चिकित्सा एवं घरेलू उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दिया। विश्वविद्यालय से आए हुए अतिथियों के साथ केंद्र के सभी वैज्ञानिकों ने बीज उत्पादन कार्यक्रम एवं विभिन्न इकाइयों का अवलोकन किया तथा केंद्र पर हुए परिवर्तन का श्रेय कुशल नेतृत्व को दिया। कार्यक्रम के समापन में मुख्य अतिथि एवं समन्वयक प्रसार के द्वारा सभी प्रतिभागियों को डेयरी फार्मिंग की पुस्तिका एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए, कार्यक्रम के अंत में सहसंयोजक डॉक्टर जगदीश किशोर ने सभी का आभार व्यक्त किया एवं बताया कि दिनांक 21 फरवरी से केंद्र पर 7 दिवसीय मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में विशेष रुप से केंद्र के श्री घनश्याम एवं शैलेंद्र बाजपेई कई किसान उपस्थित रहे।

अनुभव बताते हुए अपनी सफलता कहानी बताई।कार्यक्रम में श्री विमलेश निवासी











K Z





Sign in to edit and save changes to this file.





महानगर

कानपुर, 19 फरवरी 2022 📶

साहीवाल एवं गिर नस्ल के रखें पशु, बढ़ेगी आय

🔲 डेयरी फार्मिंग एवं पशुधन प्रबंधन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण

कानपुर, 20 फरवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, थरियांव में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद अटारी, कानपुर के द्वारा वित्त पोषित क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत डेवरी फार्मिंग एवं पशुधन प्रबंधन विषय पर तीन दिवसीय कार्यक्रम आज संपन्न हुआ। कृषि विज्ञान केंद्र, अध्यक्ष डॉ ए के सिंह ने कहाकि तीन दिवसीय प्रशिक्षण में बताई गई बातों को ध्यान में रखते हुए डेयरी फार्मिंग व्यवसाय को शुरू करें एवं स्थानीय पशु को कृत्रिम गर्भाधान के

प्रतिभागी को प्रमाण देते प्रोफेसर।

द्वारा साहिवाल एवं गिर नस्त की बछिया प्राप्त करें। जिससे ऋमोत्रति के साध-साध पत्रुपालकों की आय ही बढ़ेगी।

मुख्य अतिथि सम्पत्ति एवं प्रशासनिक अधिकारी, मानवेंद्र सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए अनुरोध किया। प्रशिक्षण उपरांत अपने फार्म पर कुशल रूप से डेयरी फार्मिंग के साथ पशुधन उत्पाद का जैकिक कृषि के लिए उपयोग करें। कार्यक्रम में कृषकों के लिए तैयार किए गए साहित्य डेयरी फार्मिंग पुस्तिका का विमोचन भी अतिथियों के द्वारा किया गया। कार्यक्रम संयोजक डॉ देवेंद्र स्वरूप ने तीन दिवसीय प्रशिक्षण में सफल डेहरी फार्मिंग के विभिन्न आयाम पोषण , प्रजनन प्रबंधन , स्वास्थ्य सुरक्षा , तथा प्रबंधन पर एवं वर्ष भर हरा चारा उत्पादन हेतु तैयार मॉडल का विस्तृत चर्चा किया। डॉ नौशाद आलम ने कम गोवर से अधिक खाद बनाने के लिए नाडेप एवं वर्मी कंपोस्ट तथा उपयोग उसकी उपयोगिता के बारे में चर्चा की। डॉ साधना वैश्व ने दूध के पोषक तत्व एवं मूल

संवर्धन पर विस्तृत रूप से बतावा। डॉ जगदीश किशोर वैज्ञानिक ने घास एवं चारा में कीटनाशक के प्रयोग से होने वाली समस्याओं एवं उससे बचाव के तरीके बताएं। डॉ जीतेंद्र सिंह ने अधिक उत्पादन के लिए जनपद में उगाए जाने वाले प्रमुख चारा फसलों पर चर्चा किया एवं क्षेत्र में नेपियर के बढ़ते हुए मांग तथा प्रसार पर बल दिया। डॉ अलका कटियार ने स्वज्छ दुग्ध उत्पादन तथा दूध से बनने वाले विभिन्न खाद्य पदार्थ के बारे में विस्तृत रूप से बताया। कार्यक्रम में विशेष रूप से अामंत्रित जनपद की प्रगतिशील एवं सम्मानित

महिला पशुपालक प्रतिभा देवी ने पशुपालकों को अपने अनुभव बताते हुए अपनी सफलता कहानी बताई। कार्यक्रम में विमलेश निवासी कोरों सादात ने भी सफल पशुपालक के रूप में अपने अनुभव साझा किया तथा पशुओं के प्राथमिक चिकित्सा एवं घरेलू उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दिया। विश्वविद्यालय से आए हुए अतिथियों के साथ केंद्र के सभी वैज्ञानिकों ने बीज उत्पादन कार्यक्रम एवं विभिन्न इकाइयों का अवलोकन किया तथा केंद्र पर हुए परिवर्तन का श्रेय कुराल नेतृत्व को दिया। कार्यक्रम के समापन में मुख्य अतिथि एवं समन्वयक प्रसार के डारा सभी प्रतिभागियों को डेयरी फार्मिंग की पुस्तिका एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए, कार्यक्रम के अंत में सहसंयोजक डॉ जगदीश किशोर ने सभी का आभार व्यक्त किया एवं बताया कि दिनांक 21 फरवरी से केंद्र पर 7 दिवसीय मधुमकखी पालन प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में विशेष रूप से केंद्र के घनश्याम एवं शैलेंद्र बाजपेई कई किसान उपस्थित रहे।



श्रुक्रवार, 18-02-2022 अंक-48

www.worldkhabarexpress.media www.worldkhabarexpress.com



MID DAY E-PAPER

साहित्य डेयरी फार्मिंग पुस्तिका का विमोचन

डेयरी फार्मिंग एवं पशुधन प्रबंधन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिको विक्वविद्यालय के अधीन संचातित कृषि विज्ञान केंद्र, बरियांत में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद अटारी के हारा वित्त पोषित शमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत हेपरी पर्वामेंग एवं पशुधन प्रबंधन विषय पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का जुक्रवार को समापन हुआ।

समापन सत्र में समन्त्रपक प्रसार निदेशालय चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विस्वविद्यालय कानपुर डॉ. एके सिंह एवं मानवेंद्र सिंह संपत्ति एवं प्रशासनिक अधिकारी ने दीप प्रज्यांतित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डॉ. एके सिंह ने प्रतिभागियों से आवह किया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण में बताई गई बातों को ध्यान में रखते हुए देवरी फार्मिंग व्यवसाय को शुरू करें एवं स्थानीय पशु से कृत्रिम गर्भाधान के द्वारा साहियाल एवं गिर नस्त की विविधा प्राप्त करें। जिससे क्रमोल्ति के साथ- ऑक्टर नीलाद आलम ने कम खाद्य पदावों के बारे में विस्तृत साथ पत्रपालकों की आप भी गोबर से अधिक खाद बनाने के जानकारी थी। कार्यक्रम में विजेष बडेगी। मुख्य अतिथि मानवेंद्र सिंह कि प्रशिक्षण के बाद अपने फार्म पर कुशल रूप से देवरी फार्मिंग के



कार्यक्रम संयोजक जॉ. देवेंद आयम पोषण, प्रजनन प्रबंधन, चर्चा की।

कींटनाशक के प्रयोग से होने वाली समस्याओं एवं उससे बचाय के अतिथियों के द्वारा किया गया। तरीके बताए। दाँ, जीतेंद्र सिंह ने अधिक उत्पदन के लिए जनपद में स्वरूप ने तीन दिवसीय प्रशिक्षण में उनाई जाने वाली प्रमुख चारा सफल डेक्री फार्मिंग के विभिन्न 'फसलों पर चर्चा की एवं क्षेत्र में नेपियर की बढ़ती मांग तथा प्रसार स्वास्थ्य सुरक्षा, प्रबंधन एवं वर्ष घर बल दिया। डॉ. अलका भर हरा चारा उत्पादन के लिए कटियार ने स्वच्छ दुग्ध उत्पादन रीवार मॉडल पर विस्तृत चर्चा की। तथा दूध से बनने वाले विभिन्न लिए वाडेप एवं वर्मी कंपोस्ट क्या रूप से आमंत्रित जनपद की ने प्रतिभागियों से अनुरोध किया उसकी उपयोगिता के बारे में प्रचतिशील एवं सम्मानित महिला च्हुपालक प्रतिश्व देवी ने डॉ. साधना वैश्य ने दूध के पशुपालकों को अपने अनुभय कार्यक्रम में कृषकों के लिए तैयार किसोर ने वास एवं चारे में विमलेश निवासी कोर्य सादात ने पशुओं के प्राथमिक विकित्सा एवं आए अतिथियों के साथ केंद्र के कई किसान उपस्थित रहे।





साथ पतुचन उत्पाद का जैविक पोषक तत्व एवं मूल संवर्धन के बताते हुए अपनी सफलता की भी सफल पशुपालक के रूप में घरेलु उपचार के बारे में विस्तृत कृषि के लिए उपयोग करें। बारे में जनकारी थीं। डॉ. जनदीश कहानी साझा की। कार्यक्रम में अपने अनुभव साझा किए और जानकारी थी। विश्वविद्यालय से

सभी वैज्ञानिकों ने बीज उत्पादन कार्यक्रम एवं विभिन्न इकाइवों का अवलोकन किया तथा केंद्र पर हुए परिवर्तन का श्रेप कुशल नेतृत्व की

कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथि एवं समन्वयक प्रसार के द्वारा सभी प्रतिशागियों को डेयरी फरमिंग की पुरितका एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंत में सहसंपोजक हॉ. जनदीश किलोर ने सभी का आधार व्यक्त किया और बताबा कि 21 फरवरी से केंद्र पर सात दिवसीय मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में विजेष रूप से खेंद्र के धनश्याम एवं शैलीद बाजपेई सहित

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र





वर्षः १३

अंक:27

देहरादून, शुक्रवार , १८ फरवरी, २०२२

पृष्टः08

B JANMAT TODAY



Dehradun 18 february, 2022

डेयरी फार्मिंग व पशुधन प्रबंधन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण

दीपक गौद (जनना टुरे)

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय करनपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, धरियांव में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद अटारी , कानपुर के हारा विता पोकित क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत डेयरी फार्मिंग एवं पशुधन प्रकंपन विषय पर तीन दिवसीय कार्यक्रम 15 से 17 फरवरी 2022 आज संघन्न हुआ समापन सत्र में समन्ववक प्रसार निदेशालय चंद्रशेखर जाजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर डॉक्टर ए के सिंह एवं मानवेंद्र सिंह संपत्ति एवं प्रशासनिक अधिकारी दीप प्रज्वित कर कार्यक्रम का विधिवत शुनारंग किया अपने उदबोधन में अध्यक्ष कृषि विज्ञान केंद्र टॉक्टर ए के सिंह ने प्रतिमानियों को संबोधित करते हुए

आग्रह किया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण में बताई गई बातों को ध्यान में रखते हुए ढेवरी कार्मिंग व्यवसाय को शुरू करें एवं स्थानीय पशु को कृत्रिम गर्माधान के द्वारा साहिवाल एवं गिर नस्त की बंडिया प्राप्त करें जिससे क्रमोन्नति के साध-साध पशुपालकों की आप ही बढ़ेगी मुख्य अतिथि मानवेंद्र सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए अनुरोध किया कि प्रतिक्षण उपरांत अपने पर्स पर कुराल रूप से डेयरी कार्मिंग के साध पशुचन उत्पाद का जैविक कृषि के लिए उपयोग करें कार्यक्रम में कृषकों के लिए तैयार किए गए साहित्य ढेक्टी पर्गामेंग पुस्तिका का विमोचन भी अतिथियों के द्वारा किया गया कार्यक्रम संयोजक खॉक्टर देवेंद्र स्वरूप ने तीन दिवसीय प्रशिक्षण में सकल डेहरी पार्मिंग के विशिन्न आवाम पोषण, प्रजनन प्रकंपन, स्वास्थ्य सुरक्षा तथा प्रकंपन पर एवं वर्ष



भर हरा चारा उत्पादन हेतु तैयार मोंडल का विस्तृत चर्चा किया डॉक्टर नौशाद आलम ने कम गोबर से अधिक खाद बनाने के लिए नावेप एवं वर्मी कंपोस्ट तथा उपयोग उसकी उपयोगिता के बारे में चर्चा की डॉ साधना वैश्य ने दूध के पोषक तत्व एवं मूल संकर्धन पर विस्तृत रूप से बताया डॉक्टर जगदीश किशोर वैज्ञानिक ने मास एवं चारा में कीटनारुक के प्रयोग से होने वाली समस्याओं एवं उससे बचाय के तरीके बताएं डॉ जीतेंद्र सिंह ने अधिक उत्पादन के लिए जनपद में जगए जाने वाले प्रमुख चारा फसलों पर चर्चा किया एवं क्षेत्र में नेपियर के बढ़ते हुए मांग तथा प्रसार पर बल दिया डॉ अलका कटियार ने स्वच्छ दुग्ध उत्पादन तथा दूध से बनने वाले विभिन्म खाद्य पदार्थ के बारे में विस्तृत रूप से बताया। कार्यक्रम में विशेष रूप से आमंत्रित जनपद की प्रगतिशील एवं सम्मानित महिला पशुपालक श्रीमती प्रतिमा देवी ने पशुपालकों के पशुपालकों को अपने अनुभव बताते हुए अपनी सफलता कहानी बताई (कार्यक्रम में

विमलेश निवासी कोर्रा सादात ने भी सफल पशुपालक के रूप में अपने अनुमय साजा किया तथा पशुओं के प्राथमिक चिकित्सा एवं घरेलू उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दिया विश्वविद्यालय से आए हुए अतिधियों के साथ केंद्र के सभी वैद्यानिकों ने बीज जत्पादन कार्वक्रम एवं विभिन्न इकाइवों का अवलोकन किया तथा केंद्र पर हुए परिवर्तन का श्रेय कुशल नेतृत्व को दिया कार्यक्रम के समापन में मुख्य अतिथि एवं समन्ववक प्रसार के द्वारा सभी प्रतिमागियों को डेयरी कार्मिंग की पुस्तिका एवं प्रमाण यत्र वितरित किए गए कार्यक्रम के अंत में सहसंयोजक डॉक्टर जनदीश किशोर ने सभी का आभार व्यक्त किया एवं बताया कि दिनांक 21 फरवरी से केंद्र पर 7 दिवसीय मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है।